नईदुनिया

भोपाल, 23 अगस्त 2024

पीएम मोदी पोलैंड की राजधानी वारसॉ में मोंटे कैसिनो के युद्ध स्मारक पहुंचे

वारसॉ। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पोलैंड की राजकीय यात्रा पर हैं। दो दिवसीय यात्रा अंतिम चरण है। वो गुरुवार को सबसे पहले पोलैंड की राजधानी वॉरसा स्थित मोंटे कैसिनो के युद्ध स्मारक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने मोंटे कैसिनो की लड़ाई के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि विश्व युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों की वीरता को भारत सदैव याद रखेगा।

पोलैंड की राजधानी वॉरसा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक झलक पाने के लिए भारतीय समुदाय के लोग बेताब दिखे। प्रधानमंत्री लोगों से मिले भी। बच्चों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पोलैंड के यादगार पलों को एक्स हैंडल पर साझा किया है। प्रधानमंत्री मोदी भारतीय समयानुसार कल शाम पोलैंड पहुंचे। पोलैंड की सरजमीं पर पहुंचते ही उन्होंने कहा कि इस यात्रा से भारत-पोलैंड मित्रता को गति मिलेगी और दोनों देशों के लोगों को लाभ होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसके बाद भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इस सामुदायिक कार्यक्रम के संबोधन पर भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य आकाशदीप ने कहा, हमें उनका संबोधन बहुत पसंद आया। हम सुबह से यहां उनका इंतजार कर रहे थे। उनके भाषण से पूरा हॉल ऊर्जा से भर गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोलैंड यात्रा पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में बुधवार को एक वीडियो वक्तव्य में कहा था कि प्रधानमंत्री महाराजा मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए तीन स्मारकों पर जाएंगे। इन स्मारकों के पीछे का इतिहास पोलैंड और भारत को एक बहुत ही खास तरीके से जोड़ता है। अगले दिन पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ द्विपक्षीय बैठकें हैं। वह पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा से भी मुलाकात करेंगे। उसके बाद वह भारत-पोलैंड व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए पोलैंड के व्यापारिक नेताओं से मिलेंगे। प्रधानमंत्री भारतविदों और कुछ कबड्डी खिलाड़ियों से भी मुलाकात करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

यूट्यूबर ने दी भारत पर परमाणु बम गिराने की धमकी, लोगों का गुस्सा फूटा

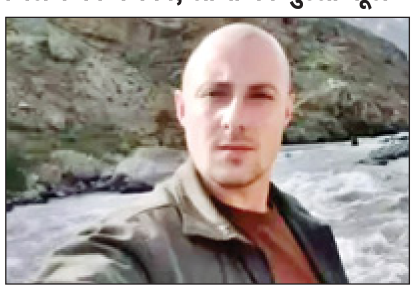

लंदन। ब्रिटेन के यूट्यूबर ने भारत पर परमाणु बम गिराने की बात कह दी थी। माइल्स रूटलेज नाम के इस युवक को भारतीयों पर नस्लवादी टिप्पणियां करने के बाद सोशल मीडिया पर भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल यह पूरा मामला एक मीम वीडियो से शुरू हुआ जिसे उसने एक्स पर अपलोड किया था। वीडियो में अमेरिका में छिपे हुए साइलो से परमाणु मिसाइलें निकलती दिखाई दे रही हैं और दुनिया भर में परमाणु युद्ध की बात कही जा रही है। वीडियो शेयर करते हुए रुटलेज ने लिखा-जब मैं इंग्लैंड का पीएम बनूंगा तो मैं ब्रिटिश हितों और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाली किसी भी विदेशी ताकत पर परमाणु साइलो खोल दूंगा। मैं बड़ी घटनाओं की बात नहीं कर रहा हूं, मैं छोटी-सी बात पर पूरे देश को खत्म कर दूंगा। इसके कुछ मिनट बाद रूटलेज ने पोस्ट पर एक कमेंट करते हुए कहा कि मैं भारत पर हमला कर सकता हूं। पोस्ट शेयर करने के बाद लोगों ने उसकी जमकर खिंचाई शुरू कर दी। उसे ट्रोल से धमकी भरे डीएम भी मिलने लगे। इसके बाद उसने भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां करना शुरू कर दी। यूट्यूबर रुटलेज ने लिखा- मानो या न मानो मुझे भारत पसंद नहीं। साथ ही मैं एक भारतीय को महसूस कर सकता हूं कि वह भारतीय है। अगर कोई ऑनलाइन आदमी अचानक पहली प्रतिक्रिया में आपकी मां को गाली देता है, तो वह भारतीय है। ऐसे कई मामले हैं। इस तरह की टिप्पणी के बाद लोग और भड़क गए। एक्स यूजर्स ने उस पर भारतीयों को भड़काने का आरोप लगाया है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के खिलाफ आईसीटी में तीन और शिकायत दर्ज

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना पर 15 जुलाई से पांच अगस्त के बीच मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार करने का आरोप लगाते हुए कल अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) की जांच एजेंसी में तीन और शिकायतें दर्ज की गई हैं। यह जानकारी बांग्लादेश के समाचार पत्र द डेली स्टार ने अपनी रिपोर्ट में दी है। द स्टार के अनुसार, इसके अलावा हसीना के खिलाफ हत्या के नौ व एक अन्य मामला कुछ दिन पहले दर्ज किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ अब तक कुल 44 मामले दर्ज किए गए। इनमें हत्या के 35, मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के सात, अपहरण का एक और बीएनपी के जुलूस पर हमले का एक मामला शामिल है। जांच एजेंसी के उप निदेशक (प्रशासन) अताउर रहमान ने कहा है कि हमने तीन शिकायतें दर्ज कर इस तरह सभी मामलों की जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर पति द्वारा बनाए गए हजारों अश्लील वीडियो लेकर पुलिस के पास पहुंची महिला, गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका में रह रहे एक भारतीय ने हजारों लड़कियों के न्यूड वीडियो रिकॉर्ड किए हैं। भारतीय

डॉक्टर ओमैर एजाज ने इस महिलाओं के अलावा बच्चों को भी नहीं छोड़ा है। पुलिस ने एजाज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कथित तौर पर अस्पतालों और अपने घर में छिपे हुए कैमरे का इस्तेमाल करता था। अब शख्स पर यौन अपराधों के 10 मामलों में केस दर्ज किया गया है। यह मामला तब सामने आया जब एजाज की पत्नी ने पुलिस को ये सारी चीज़ें उपलब्ध कराई। इसके बाद ओकलैंड काउंटी शेरिफ ने मिशिगन में उसके रोचेस्टर हिल्स स्थित घर पर तलाशी वारंट जारी किया। 13 अगस्त को एजाज पर औपचारिक रूप से बच्चों के साथ यौन शोषण, न्यूड महिलाओं की तस्वीरें खींचने के चार मामलों और अपराध के लिए कंप्यूटर का उपयोग करने के पांच मामलों में आरोपी बनाया गया है। पुलिस को अपनी जांच के दौरान एक ही हार्ड ड्राइव में 13,000 से ज़्यादा वीडियो मिले हैं। इसके अलावा 15 और डिवाइस ज़ब्त किए हैं। एजाज को 8 अगस्त को बाथरूम, चेंजिंग एरिया, अस्पताल के कमरों और यहां तक कि अपने घर में भी छिपे हुए कैमरे लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जानकारी के मुताबिक इंटरनल मेडिसिन का एक्सपर्ट ओमैर एजाज 2011 में भारत से वर्क वीजा पर अमेरिका गया था। मिशिगन के सिनाई ग्रेस अस्पताल में रहने के बाद वे अलबामा के डॉसन चला गया था। इससे पहले भी वह कई अस्पतालों में काम कर चुका है। हाल ही में उसने अलग-अलग अस्पतालों में काम करने के लिए फिजिशियन के रूप में कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था।

रूस-यूक्रेन जंग ढाई साल से जारी

यूक्रेन ने मॉस्को में बरसाए गोले, रूस बोला, 45 ड्रोन कर दिए जमींदोज

मॉस्को। रूस-यूक्रेन जंग में बीते ढाई साल से बैकफुट पर नजर आ रहे वोलोदिमीर जेलेंस्की अब फ्रंट-फुट पर आकर पुतिन एंड कंपनी को करारा जवाब दे रहे हैं। करीब एक सप्ताह पहले रूस में घुसकर हमले करने के बाद अब यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को में बमबारी की। व्लादिमीर पुतिन ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यूक्रेन उनके देश में इतना अंदर तक घुसकर ड्रोन अटैक भी कर सकता है। रूसी सेना ने माना कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। हालांकि साथ ही यह भी दावा किया गया कि उनके सभी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया है। यूक्रेन की कोशिश है कि वो ज्यादा से ज्यादा रूस की जमीन पर अपना कब्जा कर ले, ताकि जब बात आपसी समझौते की हो तो वो रूस द्वारा कब्जाई गई अपनी जमीन को वापस पा सके। विशेषज्ञ का कहना है कि इसी कारण अब यूक्रेन अमेरिका सहित तमाम अन्य पश्चिमी देशों की मदद से रूस पर हमलावर हो गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए। दावा किया गया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए जबकि 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी। उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनाई गयी मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए।

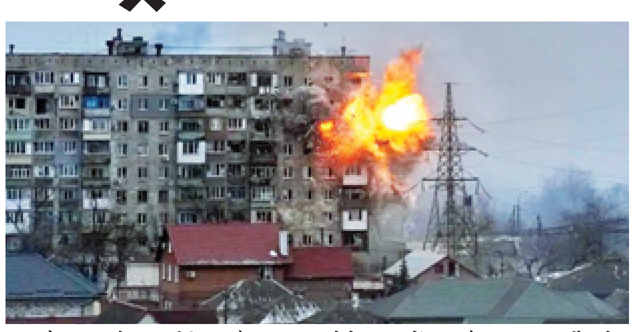

रूस के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को नष्ट करते हुए देखा जा सकता है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब रूस पूर्वी यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है, जहां उसका लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण है! वह अपने कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के अटैक को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा विदेशी हमला है!

रूसी मीडिया ने मॉस्को क्षेत्र के आसमान में ड्रोन के चक्कर लगाने और फिर हवाई सुरक्षा द्वारा आग के गोले में मार गिराए जाने का फुटेज शेयर किया। रूसी विमानन नियामक संस्था ने कहा कि मॉस्को के हवाई अड्डों वनुकोवो, डोमोडेडोवो और जुकोवस्की ने चार घंटे के लिए उड़ानों को सीमित कर दिया, लेकिन 0330 जीएमटी से सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया था।

इजराइली सेना के खुफिया प्रमुख ने दिया इस्तीफा, बोले- 7 अक्टूबर का हमला नहीं रोक पाया

येरूसलम। इजराइल और हमास के बीच पिछले दस माह से जंग चल रही है। इसकी शुरुआत तब हुई थी जब 7 अक्टूबर को इजराइल में एक समारोह में दौरान आतंकी हमला किया जिसमें सैकड़ो नागरिकों की मौत हो गई। इसके बदला लेने के लिए इजराइल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का संकल्प लिया और हमास पर धावा बोल दिया। अब 10 महिने बाद इजरायली सैन्य खुफिया प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया है। विदाई समारोह में 7 अक्टूबर को देश की सीमा की सुरक्षा ना कर पाने की जिम्मेदारी ली। 38 साल से भी ज्यादा समय तक सेना से जुड़े रहे मेजर जनरल अहरोन हालिवा ने अप्रैल में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। इस दौरान जनरल अहरोन ने माना कि वे इजरायल के इतिहास में सबसे बड़े हमले का पता लगाने और उसे रोकने में असफल रहे। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर बड़ा हमला कर पूरे क्षेत्र में तबाही मचाई थी।

इजरायल के आंकड़ों के मुताबिक इस हमले में लगभग 1,200 इजरायली और विदेशी मारे गए जिनमें से ज्यादातर आम लोग थे। हमास ने लगभग 250 लोगों को गाजा में बंदी भी बना लिया था। माना जाता है कि लगभग 109 बंधक अभी भी गाजा में हैं जिनमें से लगभग एक तिहाई के के बचने की उम्मीद नहीं है। सशस्त्र बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट-जनरल हर्ज़ी हलेवी और घरेलू खुफिया एजेंसी शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार दोनों ने हमले के बाद जिम्मेदारी स्वीकार की लेकिन गाजा में युद्ध जारी रहने के बीच वे पद पर बने हुए हैं। समारोह में हालिवा ने कहा, खुफिया कॉर्प्स की असफलता मेरी गलती थी। हालिवा ने इजरायल और हमास के बीच युद्ध की वजहों का का गहराई से पता लगाने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की जांच बैठने की भी बात की है। 7 अक्टूबर के हमले से इजरायली सेना और खुफिया सेवाओं की प्रतिष्ठा को बेहद नुकसान पहुंचा था। 7 अक्टूबर की सुबह के एक तीव्र रॉकेट हमले के बाद हमास और अन्य समूहों के हजारों लड़ाकों ने गाजा के चारों ओर सुरक्षा घेरों को तोड़ दिया था। इससे इजरायली सेना को संभलने का मौका नहीं मिला। इन समूहों ने दक्षिणी इजरायल में जमकर उत्पात मचाया।

यूरोपियन यूनियन के एक फैसले पर भड़का चीन

बुरी तरह छटपटा रहे जिनपिंग दादागिरी करने वाले अब दे रहे हैं नियमों की दुहाई

बीजिंग। यूरोपियन यूनियन के एक फैसले से चीन को मिर्ची लग गई है। चीन के अधिकारी और उद्योग जगत के लोग यूरोपियन यूनियन पर भड़क गए। दरअसल ईयू ने एक नया ड्राफ्ट रिलीज किया है जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल के खिलाफ जांच करने की बात कही गई है। यह बात चीन को बुरी तरह चुभ गई।

चीन ने कहा कि यूरोपीय संघ का यह फैसला चीन और यूरोपियन यूनियन के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को कमजोर करता है क्योंकि इस फैसले से यूरोपियन यूनियन के बाजार में चीनी की कंपनियों के प्रति विश्वास में कमी आएगी। विशेषज्ञ ने कहा कि यूरोपीय यूनियन का यह ऐलान, जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल्स निर्माताओं के खिलाफ भारी टैरिफ दरें शामिल हैं, ने विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत में और भी ज्यादा मुश्किलें पैदा कर दी हैं। इस बीच चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने चीन के घरेलू उद्योग के अनुरोध पर यूरोपीय संघ के कुछ डेयरी उत्पादों की जवाबी जांच शुरू की। चाइनीज विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू उद्योग के आवेदन और डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुसार शुरू की गई यह जांच उचित है। हालांकि, यह ईसी की संरक्षणवादी जांच से पूरी तरह अलग है जो डब्ल्यूटीआई नियमों का उल्लंघन करती है। यूरोपियन यूनियन ने चीनी ईवी निर्माताओं के खिलाफ 36.3 प्रतिशत की अधिकतम टैरिफ दर बनाए रखने का फैसला किया, जबकि चीन में टेस्ला द्वारा निर्मित ईवी पर यह दर 9 प्रतिशत है। इस फैसले से नाराज कई चीनी मंत्रालयों और उद्योग समूहों ने इस कदम की निंदा की है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ईसी की जांच को संरक्षणवाद और राजनीति से प्रेरित कार्रवाई कहा कि उन्होंने कहा कि ईसी की यह जांच तथ्यों की अनदेखी और डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया इलाज के बाद अस्पताल से घर लौटीं

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया अस्पताल में करीब एक महीने से ज्यादा इलाज कराने के बाद बुधवार को घर वापस आ गई हैं। शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद खालिदा (79) को सभी आरोपों से बरी करते हुए जेल से रिहा कर दिया गया था। जानकारी के मुताबिक जिया पिछले पांच वर्षों से नजरबंद थी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष जिया को इस महीने की शुरूआत में राष्ट्रपति ने क्षमादान दिया था जिसके बाद यह पहली बार है कि वह स्वतंत्र तौर घर आईं हैं। खबर में बीएनपी मीडिया प्रकोष्ठ के सदस्य शायरुल कबीर खान के हवाले से बताया गया है कि शाम करीब सात बजे जब वह अस्पताल से निकलीं तो कई पार्टी कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता उनके साथ घर तक गए। जिया मार्च 1991 से मार्च 1996 तक तथा जून 2001 से अक्टूबर 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। पूर्व प्रधानमंत्री लिवर सिरोसिस, गठिया, मधुमेह, गुर्दे, फेफड़े, हृदय और आंखों से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न बीमारियों से पीड़ित जिया को आठ जुलाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने 16 अगस्त को कहा था कि जल्द ही जिया को उन्नत चिकित्सा उपचार के लिए विदेश भेजा जाएगा।

पाकिस्तान में बवाल: पूर्व पीएम इमरान खान के हजारों समर्थक इस्लामाबाद के लिए रवाना

इमरान खान की सरकार जाते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के हजारों समर्थक गुरुवार फिर से सड़कों पर उतर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब जैसे प्रांतों से हजारों की संख्या में उनके समर्थक इस्लामाबाद पहुंच रहे हैं। इन समर्थकों ने एक जलसे का फैसला किया है। इस जलसे यानी रैली का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंदापुर करेंगे। वहीं इस्लामाबाद प्रशासन ने इस रैली के लिए जारी एनओसी को रद्द कर दिया है, जिससे तनाव बढ़ गया है। इमरान समर्थक रोक लगने के बाद भी इस्लामाबाद की ओर बढ़ने पर आमादा हैं।

यदि इन लोगों पर कोई लाठीचार्ज या बल प्रयोग हुआ तो फिर हालात बिगड़ भी सकते हैं। इससे पहले बीते साल 9 मई को जब इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पूरे पाकिस्तान में ही हिंसा भड़क गई थी। यहां तक कि सेना के प्रतिष्ठानों पर भी हमले हुए थे। उस मामले में कई पीटीआई नेता अब भी जेलों में बंद हैं। खुद इमरान खान जेल में ही हैं। इससे पहले रमजान के दौरान इस्लामाबाद प्रशासन ने पीटीआई को अनुमति दी थी कि वह रैली कर सकती है। तब पीटीआई का कहना था कि हमारे कार्यकर्ता मस्जिदों में व्यस्त हैं। इमरान खान समर्थकों ने इस्लामाबाद के तारनोल में जुटने का फैसला लिया है।

बता दें कि पहले प्रशासन ने 31 जुलाई को रैली के लिए एनओसी जारी कर दी थी, लेकिन अब उसे वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अब भी इमरान खान की पार्टी की ही सरकार है। वहां उसका अच्छा प्रभाव भी है और खुद इमरान खान पठान हैं और मूल रूप से खैबर के ही हैं। ऐसे में वहां से हजारों की संख्या में लोग इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं। पाक सरकार को आशंका है कि कोई बड़ा बवाल भी हो सकता है। गौरतलब है कि इमरान खान की सरकार जाते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर पीएम के तौर पर मिले उपहारों को गबन करने समेत कई मामले चल रहे हैं। पाकिस्तान पंजाब सरकार ने इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी है ताकि इन लोगों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। पंजाब में किसी भी तरह के राजनीतिक जुटान पर भी रोक लगी है। बीते कई महीनों से इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थक इस्लामाबाद में रैली की परमिशन मांग रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंत में 22 अगस्त को जुटने का फैसला लिया गया। इस रैली के लिए खैबर पख्तूनख्वा से हजारों लोग आगे बढ़ रहे हैं। वहीं उन्हें रोकने के लिए प्रशासन ने इस्लामाबाद के एंट्री पॉइंट्स पर बड़े-बड़े कंटेनर रखवा दिए हैं।

पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी आरोपी फरहान आसिफ को दबोचा

ब्रिटेन में दंगा भड़काने की साजिश रचने वाला लाहौर से गिरफ्तार

लाहौर। ब्रिटेन में झूठी सूचना और अफवाह से दंगा भड़काने वाले पाकिस्तानी नागरिक को पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी ने लाहौर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फरहान आसिफ के रूप में हुई। वह फ्रीलांस वेब डेवलपर है। पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआइए) ने फर्जी जानकारी आनलाइन फैलाने के लिए उसपर साइबर अपराध का आरोप लगाया है।

एफआइए ने कहा कि यह साबित हो चुका है कि फर्जी खबर फैलाने वाला अकाउंट आसिफ का था। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ब्रिटेन ने उसके प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है या नहीं। आरोप है कि उसने ब्रिटेन में डांस क्लास में 29 जुलाई को

चाकूबाजी में शामिल संदिग्ध के बारे में यूट्यूब और फेसबुक पर गलत सूचना फैलाई थी। उसने दावा किया था कि संदिग्ध हाल ही में ब्रिटेन आया है और शरण चाहता है। हमलावर ब्रिटेन का रहने वाला था।

गलत सूचना के लगातार प्रसारित होने के बाद वहां दंगा भड़क उठा था। धुर दक्षिणपंथियों ने शरण चाहने वालों पर हमला शुरू कर दिया था। भीड़ ने मस्जिद के साथ ही शरण चाहने वालों से जुड़े स्थानों को भी निशाना बनाया था। ब्रिटेन के कई शहर दंगे से प्रभावित हुए थे। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे।

जेनिफर लोपेज, बेन एफ्लेक को देंगी तलाक, कोर्ट में लगाई याचिका

लॉस एंजिलिस। दो दशक सात में रहने और सुर्खियां बटोरने के बाद मशहूर अमेरिकी एक्ट्रेस जेनिफर लोपेज ने फिल्म निर्माता बेन एफ्लेक से तलाक लेने का फैसला लिया है। हॉलीवुड के 'पावर कपल' कहे जाने वाले इस जोड़े को उनके फैंस प्यार से 'बेनिफर' कहते थे। लोपेज ने लॉस एंजिलिस में तलाक लेने के लिए आवेदन दिया। कोर्ट के रिकॉर्ड से पता चलता है कि लोपेज ने लॉस एंजिलिस सुपीरियर कोर्ट में एक याचिका दायर की। लोपेज ने याचिका में बेन से अलग होने की तारीख 26 अप्रैल 2024 दर्ज कराई है।